गाजियाबाद, दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

दैनिक

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

वर्षः 27 | अंकः 42 | गाजियाबाद, सोमवार 12 मई, 2025 | सम्पादक-अशोक कौशिक | मूल्य : 1 रूपया

ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ: पीएम मोदी का पाकिस्तान को कड़ा संदेश

गोली चली, तो गोला चलाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 'वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा'। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की।

सीमा पर क्या हो रहा है?

सूत्रों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच संपर्क हुआ है ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके। इसके साथ ही भारत का संदेश बिल्कुल साफ है- अब अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा, तो भारत दोगुनी ताकत से जवाब देगा। और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है।

क्या है ऑपरेशन सिंदूर?

यह ऑपरेशन भारत की तरफ से आतंकवाद के खिलाफ शुरू की गई एक बड़ी सैन्य मुहिम है। इसका मकसद न सिर्फ सीमा पार आतंकियों के ठिकानों को तबाह करना है, बल्कि पाकिस्तान को यह संदेश देना भी है कि अब भारत हर हमले का जवाब तुरंत और तगड़ा देगा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत हाल ही में बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय पर जबरदस्त हमला किया गया। भारत ने इस कार्रवाई में अपने सबसे आधुनिक और शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया। यह हमला इसलिए भी अहम था क्योंकि जैश-ए-मोहम्मद का गठन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने किया था। सूत्रों का कहना है कि यह सीधा संदेश था कि भारत अब आतंक को बढ़ावा देने वालों को भी निशाना बनाएगा। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिए। इससे घबराए पाकिस्तान ने भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू कर लिया।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है : केन्द्र सरकार

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे 'न्यू नॉर्मल' की तरह स्वीकार करना होगा।

हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं: पीएम मोदी

भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

पाकिस्तान और ऑपरेशन सिंदूर पर बोले डीजीएमओ

जरूरत पड़ी तो जरूर लेंगे एक्शन, सेना को खुली छूट

नई दिल्ली। भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की रविवार को हुई। इस कॉन्फ्रेंस में डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ऑपरेशन सिंदूर की विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। उनके साथ डीजी एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती और डीजी नेवल ऑपरेशंस वाइस एडमिरल एएन प्रमोद भी मौजूद हैं। यह पहली बार है जब तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी एक साथ इस ऑपरेशन पर ब्रीफिंग दे रहे हैं। कॉन्फ्रेंस की शुरूआत शिवतांडव की धुन से हुई। डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आज सुबह पाक डीजीएमओ से बातचीत हुई। कल फिर बात होगी। अगर पाकिस्तान ने आज रात सीजफायर तोड़ा तो करारा जवाब मिलेगा। डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि सेना ने पहलगाम आतंकी हमले का जवाब दिया। इस दौरान आतंकी के नौ कैंप तबाह किए गए। हमने 100 आतंकियों को खत्म किया। इसमें मुद्दस्सर खास, हाफिज जमिल और SXDYRY अजहर जैसे हाई वैल्यू टारगेट लक्ष्य शामिल थे, जो आईसी814 के अपहरण और पुलवामा विस्फोट में शामिल थे। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा का भी उल्लंघन किया गया और हमारे दुश्मन की अनिश्चित और घबराई हुई प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट था कि बड़ी संख्या में नागरिक, आबाद गांव और गुरुद्वारा जैसे धार्मिक स्थल दुर्भाग्य से उनके निशाने पर आए, जिससे कई लोगों की जान चली गई।

उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने इन हमलों में एक प्रमुख भूमिका निभाई और इनमें से कुछ शिविरों पर हमला किया और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों के मामले में साधन उपलब्ध कराए। भारतीय वायु सेना के पास आसमान में मौजूद हथियार थे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत सिर्फ आतंकी कैंप को निशाना बनाया गया। डीजी एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि बहावलपुर में 4 ठिकानों पर हमने एक्शन किया। हमने वहां जैश-ए- मोहम्मद के ट्रेनिंग कैंप को भी तबाह किया। उन्होंने कहा कि हमने लौहार में रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों के निशाना बनाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान ने कई ड्रोन भेजे जिन्हें मार गिराया गया।

डीजी एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि हालात कठिन हैं, हम ये प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करना चाहते थे, लेकिन जरूरी हो गया था। भारतीय वायुसेना ने मुरीदके और बहावलपुर जैसे आतंकी ठिकानों पर हमला किया। ये दोनों स्थान अंतरराष्ट्रीय सीमा से काफी अंदर थे, इसलिए इन्हें चुनना रणनीतिक रूप से अहम था।। IAF ने सटीक हमलों के लिए सैटेलाइट और इंटेलिजेंस आधारित टार्गेटिंग और प्रिसिशन म्यूनिशन का इस्तेमाल किया। एयरमार्शल भारती ने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू, उधमपुर, पठानकोट, नाल, डलहौजी और फलौदी में अटैक किया। इधर हमतैयार थे, हमने एयर डिफेंस सिस्टम से सभी अटैक नाकाम किए। उनके लगातार हमलों से हमारी जमीन पर कोई नुकसान नहीं हुआ। उनकी ओर से लगातार एयरबेस और चेक पोस्ट पर हमले किए जाने के बाद हमने उन्हें जवाब दिया। हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो।

दिल्ली एयरपोर्ट से 97 से अधिक उड़ानें रद्द, लगातार चार दिनों से सेवाएं प्रभावित

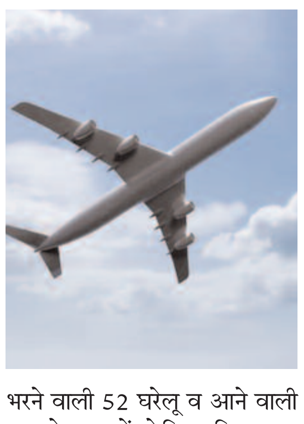

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान में युद्ध विराम के बावजूद विमान यात्रियों की मुसीबत कम नहीं हो रही है। दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले विमान लगातार चौथे दिन भी प्रभावित हुए। रविवार को बड़ी संख्या में दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ानों को रद्द किया गया वहीं कई विमानों को परिवर्तित समय से संचालित किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार ज्यादातर घरेलू विमानों को निरस्त किया गया साथ ही अंतरराष्ट्रीय उड़ान भी प्रभावित हो रहे है।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बड़ी संख्या में विमानों के निरस्त होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को 97 से अधिक विमानों को निरस्त कर दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली 52 घरेलू व आने वाली 44 घरेलू उड़ानों को निरस्त किया गया। दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली एक अंतरराष्ट्रीय विमान को भी निरस्त किया गया। शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट से संचालित होने वाले करीब 60 विमानों को निरस्त किया गया था। यात्रियों को उम्मीद थी कि युद्ध विराम होने से शनिवार को वे अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे लेकिन विमानों का निरस्त रहना जारी रहा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही कई एयरपोर्ट से विमानों का संचालन बंद किया गया हैं, जिनके कारण वहां से आने वाले और वहां जाने वाले विमानों को निरस्त किया गया है। एयरपोर्ट संचालित करने वाली कंपनी डायल ने बताया कि सुरक्षा जांच और एयरस्पेस की बदलती परिस्थितियों की वजह से उड़ानें प्रभावित हो रही है। स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन सामान्य रहा। यात्रियों को एडवाइजरी जारी कर अपने विमान की स्थिति पता करके ही एयरपोर्ट पर पहुंचने की सलाह दी गई है।

नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थलों पर हुई कार्रवाई

सीएम योगी के निर्देश पर चल रहा व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान, अवैध धार्मिक संस्थानों पर हो रही कार्रवाई

लखनऊ। योगी सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जनपदों में अवैध रूप से सरकारी व निजी भूमि पर बने धार्मिक स्थलों के खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ रखा है। बीते कुछ दिनों में सैकड़ों अवैध मदरसे, मस्जिदें, मजारें और ईदगाह को चिह्नित कर उन पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की बड़ी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई रविवार को भी जारी रही। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा अवैध धार्मिक स्थलों को चिह्नित कर उन पर प्रशासन ने चाबुक चलाया। मुख्यमंत्री का साफ निर्देश है कि किसी भी धर्म के नाम पर भूमि अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। श्रावस्ती में 10 और 11 मई को सार्वजनिक और निजी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित 104 मदरसा, एक मस्जिद, 5 मजार और 2 ईदगाह को चिह्नित किया गया। इन सभी को नोटिस देने के साथ ही इन्हें सील कर दिया गया है। जिलाधिकारी श्रावस्ती के अनुसार सार्वजनिक भूमि पर स्थित एक अवैध मदरसा के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही पूर्ण की गई। निजी भूमि पर स्थित 2 गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सीलिंग की कार्यवाही भी पूर्ण की गई है। इसके अतिरिक्त भूमि प्रबंधक समिति प्रबंधक के द्वारा नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही प्रचलित है। बहराइच में 10 और 11 मई को 13 मदरसे, 8 मस्जिद, 2 मजार और एक ईदगाह को सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण के रूप में चिह्नित किया गया। इन सभी को नोटिस देने के बाद 5 को सील किया गया, जबकि 11 को हटा दिया गया है। हटाए गए अतिक्रमण में 8 मदरसे, 2 मस्जिद और एक मजार शामिल रहै। इसके अतिरिक्त इंडो नेपाल बॉर्डर के 0-10 किमी. के मध्य सरकारी भूमि पर स्थित कुल 171 अवैध अतिक्रमण को हटाया जा चुका है।

सिद्धार्थनगर में 23 अवैध निर्माण चिन्हित

सिद्धार्थनगर में भी शनिवार को 4 मस्जिद, 18 मदरसे, जबकि रविवार को एक मदरसे को चिह्नित किया गया। इसमें 20 को अवैध निर्माण के लिए नोटिस दिया गया, जबकि 5 मदरसे को सील किया गया और 9 को हटाने की कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर 23 अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई है।

महाराजगंज में 34 धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई

महाराजगंज के तहसील नौतनवा के ग्राम परसामालिक में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा प्रस्तुत आख्या के आधार पर मकतब भूमि में संचालित गैर मान्यता प्राप्त मदरसे के संचालन को बंद करके चाभी थानाध्यक्ष के सुपुर्द की गई है। महाराजगंज में अब तक कुल मिलाकर सार्वजनिक और निजी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए 29 मदरसे और 5 मजार ध्वस्त किए जा चुके हैं।

श्री परमहंस योगानंद जन्मस्थली स्मृति भवन का सीएम योगी ने किया शिलान्यास

सुरक्षा के माहौल में ही विकास और समृद्धि संभव: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा के माहौल में ही विकास और समृद्धि संभव है। आज उत्तर प्रदेश के हर जिले में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है तो विकास की प्रक्रिया भी निरंतर आगे बढ़ रही है। सुरक्षा से ही विकास की सार्थकता सिद्ध होती है सुरक्षा के बगैर समृद्धि नहीं आ सकती। सीएम योगी रविवार दोपहर बाद गोरखपुर में कोतवाली थाना के समीप योगगुरु 'श्री परमहंस योगानंद जन्मस्थली स्मृति भवन' के निर्माण कार्य का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। पर्यटन विकास की इस महत्वपूर्ण परियोजना पर 2768 लाख रुपये की लागत आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर पूर्व की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 2017 के पहले सरकार के पैरेलल (समानांतर) माफिया और भ्रष्टाचारी भी थे जो शासन की योजनाओं को हड़प लेते थे। तब किसी गरीब या व्यापारी की जमीन कब्जा कर लेना माफिया के लिए सामान्य बात थी लेकिन आज कोई कब्जा नहीं कर सकता। जबरन कब्जा करने पर लेने के देने पड़ जाएंगे। आज किसी ने बेटियों और व्यापारियों को छेड़ने की कोशिश की तो उसके लिए यमराज के घर का रास्ता खुल जाएगा। सीएम ने कहा कि 2017 के बाद सुरक्षा का जो शानदार माहौल बना है उसी का परिणाम है कि प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है और हर जिला विकास, विरासत के संरक्षण और युवाओं के रोजगार के लिए नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान को आतंकी राष्ट्र बताते हुए कहा कि हाल के दिनों में पाकिस्तान के जहाज को जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने निशाना बनाया अब वह लखनऊ में बनेगा। यही नहीं यूपी में बनने वाली तोप दुश्मन को कंपाएगी। यह प्रदेश में सुरक्षा के माहौल से ही हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की लड़ाई, हम सबकी लड़ाई होनी चाहिए। ऐसा होने पर ही आध्यात्मिक विरासत और विकास सुरक्षित रह पाएंगे। सीएम ने कहा कि हरेक व्यक्ति के मन में देश प्रथम, देश के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। देश सुरक्षित रहेगा तो हम भी सुरक्षित रहेंगे। यदि हम इस भाव से काम करेंगे तो देश की आन, बान, शान में गुस्ताखी करने वालों के छक्के छुड़ा देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों के मनोबल को तोड़ने वाला कोई बयान आए तो जनता को जागरूक करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने परमहंस योगानंद के व्यक्तित्व और योग के प्रसार में उनके वैश्विक योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि पूर्वजों, परंपरा और विरासत से भटका व्यक्ति अंधकार की तरफ, काल की कोठरी में चला जाता है। विरासत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित न करने वाले समाज का विकास बाधित हो जाता है। उन्होंने कहा कि योगानंद जी विरासत को सम्मान देते हुए सरकार उनकी जन्मस्थली पर योग मंदिर बना रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत में ऐसे ऋषियों, मुनियों, संतों की लंबी परंपरा है जिन्होंने अपनी अपनी साधना की सिद्धि और चेतना के विस्तार से ब्रह्मांड के गूढ़ रहस्यों को भी उद्घाटित कर दिखाया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ फैसला: 18 व 24 मीटर चौडी बंधा रोड को नूरनगर से जोड़ने वाली सड़क निर्माण हेतु दर निर्धारण पर समिति का निर्णय

वर्तमान सर्किल रेट के दोगुने पर भूमि का कराया जायेगा बैनामा, सड़क निर्माण की प्रक्रिया होगी तेज: उपाध्यक्ष

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा राजनगर एक्सटेंशन में बंधा रोड से नूरनगर को जोड़ने वाली नई सड़क के निर्माण के लिए जमीनी कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। 9 मई 2025 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया कि किसानों से भूमि का क्रय वर्तमान सर्किल रेट के दोगुने मूल्य पर आपसी सहमति से किया जाएगा। जिसके लिए पूर्व मे किसानो द्वारा सहमति दी गयी है। यह पहला गाँव है जहाँ पर 100 प्रतिशत किसानो ने सड़क निर्माण के लिए अपनी सहमति दी है। उपाध्यक्ष जीडीए द्वारा सड़क निर्माण को लेकर औपचारिक स्वीकृति दे दी गई है और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। अब अनुबंध की कार्यवाही शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। साथ ही सड़क निर्माण के लिए किसानों से सहमति आधारित बैनामा अब शुरू कराया जाएगा। यह सड़क 18 मीटर चौडाई मे लगभग 750 मीटर लंबी तथा 24 मीटर चौडाई मे 350 मीटर लंबी है। भूमि क्रय मे लगभग 32 करोड़ रुपये प्राधिकरण द्वारा खर्च किया जायेगा। सड़क निर्माण मे संभावित व्यय 10 करोड़ रुपये है। इससे पहले जीडीए की भू-अर्जन और अभियंत्रण अनुभाग की टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण कर टोटल स्टेशन सर्वे के आधार पर भूमि का चिन्हांकन किया गया। किसानों की मांग पर 18 मीटर और 24 मीटर चौड़ी सड़क के लिए पिलरिंग की प्रक्रिया भी की गई है। सड़क निर्माण से क्षेत्र को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और मानचित्र स्वीकृति कर क्षेत्र का सुनियोजित विकास भी होगा व राजस्व भी प्राप्त होगा, जिसका उपयोग अन्य सड़को के विकास कार्यों में किया जाएगा जैसे 'हम तुम रोड', 'प्रस्तावित कमिशनेरेट सड़क' और 'सिकरोड' जैसे अन्य मार्गों पर भी निर्माण कार्य कराने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

राज्यपाल ने एमएलसी डॉ. सुरेन्द्र चौधरी को राज्य स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति सदस्य मनोनीत किया

भाजपा नेता जितेन्द्र गौड़ सहित तमाम नेताओं ने दी बधाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उप्र की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने एमएलसी डॉ. सुरेन्द्र चौधरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति सदस्य मनोनीत किया है। इस पर उनके प्रतिनिधि भाजपा नेता जितेन्द्र गौड़ व अन्य तमाम नेताओं न समर्थकों ने बधाई दी है। एमएलसी डॉ. सुरेंद्र चौधरी के प्रतिनिधि जितेन्द्र गौड़ ने कहा कि कि कुछ माह पहले डॉ. सुरेंद्र चौधरी को प्रदेश सरकार ने विधान परिषद की अध्ययन संसदीय समिति का पहले सभापति बनाकर दर्जाप्राप्त राज्यमंत्री बनाया था। अब उनकी कार्यो व अपने कर्त्तव्य के प्रति निष्ठा को देखते हुए योगी सरकार की सिफारिश पर उन्हें राज्यपाल द्वारा राज्य स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति सदस्य बनाकर दोहरी जिम्मेदारी दी गयी है। इससे उनके समर्थकों ने भारी खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री योगी व राज्यपाल आनंदी पटेल के प्रति आभार प्रकट किया है। बता दें कि राज्य स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री है, जबकि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना हैं। इस समिति में मुख्य सचिव, डीजीपी सहित कुल 25 सदस्य हैं? यह समिति एससीएटी संबंधित मामलों को शिकायतों की सुनवाई करके पीड़ितों को जल्द की जल्द न्याय दिलाने का काम करती है।

राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलोजी एण्ड मैनेजमेन्ट कॉलेज में फेयरवेल पार्टी का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आरकेजीआईटीएम गाजियाबाद में शनिवार को फेयरवेल पार्टी का आगाज हुआ। जिसका विधिवत उदघाटन कालिज के वाईस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाईजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, डायरेक्टर डॉ. राकेश गोयल, डीन डीएसडब्लू हरी गोपाल गर्ग द्वारा माँ सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्जलित कर किया गया। कालिज के वाईस चेयरमैन अक्षत गोयल द्वारा सभी छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर कॉलिज के तृतीय वर्ष के छात्र एवं छात्राओं ने रंगारग कार्यक्रम, रैम्प वॉक एवं नृत्य कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अन्त में कालिज के चेयरमैन दिनेश कुमार गोयल द्वारा कालिज के सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा गया कि सभी छात्र अपने कार्य को बडी लगन एवं मेहनत के साथ करते हुए अपने जीवन में सदा उन्नति करें। इस अवसर पर मिस्टर एण्ड मिस फेयरवेल का आयोजन किया गया। जिसमें अन्तिम वर्ष के छात्र एवं छात्राओं का चयन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. मनोरमा शर्मा, डा. आभा वत्स, खुशबु पाण्डे, प्रोक्टर अरूण कुमार पाण्डे, संदीप सिंह, निधि गर्ग आदि सभी विभागाध्यक्ष, फैकल्टी एवं स्टाफ मौजूद रहे।

राजनगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसो. गाजियाबाद द्वारा आधार कार्ड शिविर का किया गया आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। रविवार को कम्युनिटी सेंटर सेक्टर 4 राज नगर, गाजियाबाद पर राज नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा राष्ट्रीय व्यापार मंडल व राष्ट्रीय डाक विभाग के सहयोग से आधार कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में 18 वर्ष तक की आयु के नागरिकों के नए आधार कार्ड बनाए गए तथा प्रत्येक आयु वर्ग के नागरिकों के पुराने आधार कार्ड में सुधार किया गया। आधार कार्ड कैंप में श्रेया आई सेंटर, इंदिरापुरम की तरफ से आंखों की मुफ्त जांच की भी व्यवस्था की गई। कैंप का उद्घाटन पार्षद प्रवीण चौधरी ने किया। कैंप में राज नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए डी.के.गोयल ने अपने साथियों महामंत्री अमरीश त्यागी, कोषाध्यक्ष प्रभाकर त्यागी, उपाध्यक्ष डॉ. एस.एस.पुरी, संजीव गुप्ता, मीडिया प्रभारी सुनील दत्त, सिमरन रंधावा, देवेंद्र हितकारी (अध्यक्ष प्रशासनिक समन्वय समिति आरडब्लूए) व पूर्व अध्यक्ष दीपक कांत गुप्ता के सहयोग से कैंप की व्यवस्थाओं का संचालन किया तथा आरआरडब्ल्यूए की तरफ से सभी का स्वागत किया गया। कैंप में पंडित अशोक भारतीय, प्रदीप चौधरी, आशु पंडित आदि ने अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर सभी से आधार कार्ड शिविर में पहुंच कर ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की। आधार कार्ड शिविर में सैकड़ो लोगों ने नए आधार कार्ड के साथ-साथ पुराने आधार कार्ड में संशोधन करवाया तथा आंखों के शिविर का भी लाभ उठाकर राज नगर आरआरडब्ल्यूए के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के संयोजक सौरभ गर्ग, ओ.पी.भोला व श्रीमती उर्मिला भूषण ने भी आधार कार्ड बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर संस्था के संयुक्त सचिव पंकज भारद्वाज, जगमोहन त्यागी, राकेश चावला, प्रदीप चौधरी की भी उपस्थिति रही।

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल प्रताप विहार ने मनाया वार्षिकोत्सव

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल प्रताप विहार द्वारा शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम नेहरू नगर गाजियाबाद में अपना वार्षिकोत्सव संस्कृति संगम कॉनफ्लूएंस ऑफ कल्चर्स मनाया गया। कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ। प्रथम चरण के कार्यक्रम का आरंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन तथा मुख्य अतिथि गरिमा सिंह(प्रमुख पत्रकार न्यूज तथा टी.वी. एंकर एवं विशिष्ट अतिथि घनश्याम उपाध्याय, विद्यालय सचिव प्रियंक जोशी तथा उप सचिव अमित सिन्हा के भव्य स्वागत व गणेश वंदना के साथ हुआ। प्रधानाचार्य मधुकर प्रिय द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों को दशार्ती हुई वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी गई। कार्यक्रम की विषय - वस्तु भारत के मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों को दशार्ने के साथ ही भारत की समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक यात्रा एवं सामाजिक परंपराओं की विभिन्न प्रदेशों के नृत्यों के माध्यम से जीवंत अभिव्यक्ति रही। ऐसा लग रहा था मानो विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रदेशों के नृत्य एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रदर्शन के माध्यम से समस्त भारत को एक ही मंच पर एकत्र कर दिया हो। विद्यालय सचिव प्रियंक जोशी ने सत्र 2023-24 के एकेडमिक अचीवर्स को ट्रॉफी एवं नकद धनराशि देकर पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि गरिमा सिंह ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए वर्तमान परिस्थितियों में समस्त श्रोतागण एवं अतिथियों भारतीय जवानों का मनोबल बढ़ाने का आह्वान किया। अंत में विद्यालय सचिव प्रियंक जोशी ने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को मंच पर आने के लिए प्रोत्साहित करने तथा धार्मिक सद्भावना बनाए रखने के लिए आवाहन किया। अंत में फाऊंडेशनल इंचार्ज रेखा बिष्ट द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित करने एवं राष्ट्रगान के साथ ही प्रथम चरण के कार्यक्रम का समापन हुआ।

भारत ने पाक में घुसकर सैकड़ो आतंकवादियों को खत्म कर दिखाया आईना: अजय गुप्ता

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उद्योग व्यापार मण्डल के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी ऑपरेशन सिंदूर का मकसद आतंकवादियों के ठिकाने और आतंकवादियों को नष्ट करना था जो भारत ने पाकिस्तान में घुसकर मालियामेट करके और सैकड़ो आतंकवादियों खत्म करके दिखा दिया और यह भी पूरी दुनिया ने देख लिया। आतंकवादियों के जनाजे में शामिल हुए पाकिस्तान सैन्य शक्ति के आला अफसरो का होना, पाकिस्तान आतंकवादी बनाता है और पालता है। भारत के जवानों ने कभी भी पाकिस्तानी सैन्य शक्तियों को और रिहायशी इलाकों को टारगेट नहीं बनाया पर पाकिस्तान ने बौखलाहट में आकर भारत रिहायशी इलाकों को टारगेट बनाना शुरू कर दिया। जिसका भरपूर जवाब भारत के जवानों ने उनके घर में घुसकर दिया और अनेको पाकिस्तान की सैन्य शक्तियों को नष्ट कर दिया और पाकिस्तान घुटनों पर आ गया। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के विरुद्ध हमेशा लड़ता रहेगा पर भारत के जयचंदों को कुछ ना कुछ बोलना ही है। 1971 की लड़ाई में इंदिरा गांधी खुद बॉर्डर पर पहुंची थी। क्या हुआ 26 मार्च 1971 को भारत का एक खंड बिखर कर बांग्लादेश में बदल गया। पाक एयरवेज पर हमारा हमला पूर्ण कामयाब रहा, सीजफायर का अगर उल्लंघन हुआ तो भारत की सेना अब गोली का जवाब गोलों से देगी। युद्ध ही कोई विकल्प नहीं है शांति और अमन का, भारत का तिरंगा हमेशा ऊंचा रहा है और ऊंचा ही रहेगा।

महर्षि दयानंद विद्यापीठ पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस आयोजन, माताओं को किया सम्मानित

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गोविंदपुरम स्थित महर्षि दयानंद विद्यापीठ पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें प्राइमरी विंग के बच्चों की माताओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि और माताओं के करकमलों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर हुआ। प्राइमरी विंग के बच्चों ने कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति दी। प्राइमरी विंग की प्रधानाचार्या कोमल त्यागी द्वारा बच्चों के जीवन में माँ की महत्त्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करते हुए, कई पेरेंटिंग टिप्स वीडियो के माध्यम से दिखाए गए। सीनियर विंग की प्रधानाचार्या डॉ. सीमा सेठी के द्वारा माँ के अनेक रूपों की महत्ता को स्पष्ट किया गया। लक्की-ड्रॉ और एक्टिविटी में प्रतिभाग करने वाली 9 माताओं को पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्राइमरी विंग की प्रधानाचार्या कोमल त्यागी, सीनियर विंग की प्रधानाचार्या डॉ. सीमा सेठी, उप प्रधानाचार्य डॉ. आनंद शर्मा, श्वेता तायल, अध्यापिकाएँ, माताएँ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

इन्मैनटेक संस्थान में एजुकेटर्स अवार्ड सेरेमनी का किया गया आयोजन

समारोह में लगभग 100 स्कूलों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों किया गया सम्मानित

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। आध्यात्मिक नगर स्थित इन्मैनटेक संस्थान में शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से गत वर्ष की भांति शनिवार को एजुकेटर्स अवार्ड सेरेमनी–2025 का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौ. चरणसिंह विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं पूर्व डीन प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहानी, संस्थान के चेयरमैन केएस गुप्ता, कार्यकारी निदेशक डॉ पंकज ए गुप्ता, निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. लतिका गुप्ता, सचिव क्षितिज अग्रवाल, डीन स्टूडेंट वेलफेयर हिना मेहता, विधि के एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. केके मित्तल, डीन डॉ. नितिन सक्सेना एवं रजिस्ट्रार डॉ. दीपक सक्सेना ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहानी का स्वागत संस्थान के चेयरमैन के.एस. गुप्ता ने पौधा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया। इन्मैनटेक संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ पंकज ए गुप्ता ने आये हुए शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस एजूकेटर्स अवार्ड समारोह का उद्देश्य एनसीआर के विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में किए गये उनके योगदानों हेतु सम्मानित करना है। उन्होने कहा कि आप लोग समाज एवं देश को अपने शिक्षा के माध्यम से अमूल्य योगदान दे रहे हैं एवं आपको सम्मानित करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हू। इस सम्मान समारोह में लगभग 100 स्कूलों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को इन्मैनटेक संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने कहा कि शिक्षक जीवनभर छात्र ही रहता है। उसे लगातार अपनी दक्षता बढ़ाते रहना चाहिए। शिक्षा कैसे देश व समाज के लिए उपयोगी हो जो अच्छे विद्यार्थी देश के लिए तैयार कर सके। इस दिशा में शिक्षक को लगातार प्रयास करना चाहिए। उन्होने विदेशों में अपने शिक्षण के अनुभवों को भी शिक्षकों के साथ साझा किया एवं कहा कि शिक्षण में लगातार नवाचार एवं डिजीटल शिक्षा का प्रयोग कर शिक्षण को रूचिकर बनाया जाना चाहिए। डॉ. के.के. मित्तल ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि विद्यार्थियों को मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करें, जिससे वे अच्छे नागरिक बन सके। उन्होनें कहा कि शिक्षक को कक्षा के पाठ्यक्रम तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज को भी कुछ दे सके ऐसा प्रयास करना चाहिए। इस कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. शिल्पी सिंह एवं डॉ. तरंग मल्होत्रा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डीन डॉ. नितिन सक्सेना ने किया। उक्त अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. दीपक सक्सेना, डॉ. पुष्पराज, डॉ. अनन्ता शर्मा, डॉ. राकेश चावला, डॉ. हरजीत सिंह गिल, डॉ. रश्मि कौशिक, डॉ. मुक्ता मखीजा, एकाउन्टेट मनोज गुप्ता, सुधीर श्रीवास्तव, रश्मि वशिष्ठ, पुनीत शर्मा, श्रेया चतुवेर्दी, सुप्रिया चावला, सविता पाल, अम्बिका, उदय मौर्या आदि शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मेवाड़ में महाराणा प्रताप जयंती समारोहपूर्वक मनाई

महाराणा प्रताप हमारे वीर सैनिकों की प्रेरणाः डॉ. अशोक कुमार गदिया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। हमारे देश के तीन महापुरुष सदैव हमारे वीर सैनिकों का आदर्श रहे हैं। ये हैं महाराणा प्रताप, श्री गुरु गोविन्द सिंह और छत्रपति शिवाजी। विषम परिस्थितियों में भी अडिग होकर खड़े रहने की प्रेरणा हमें इन तीनों से ही मिलती है। यह विचार मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने व्यक्त किये। वह वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 1857 से लेकर आज तक इन तीन महापुरुषों से प्रेरणा लेकर ही क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों ने अनेक युद्ध लड़े और जीत हासिल की। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप की मां उनकी पहली शिक्षिका थीं, जिन्होंने महाराणा प्रताप को साहसी, बहादुर और निर्भीक बनाया। इसलिए आप भी बच्चों को कायर न बनाएं। उन्हें महापुरुषों की

उन्होंने कहा कि कलियुग में कोई भगवान अवतार नहीं लेने वाला, इन्हीं युवाओं में से ही कोई रणबांकुरा महाराणा प्रताप बनकर निकलेगा और देश की अस्मिता व अक्षुण्णता की शपथ लेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक देखें कि अब तक उन्होंने कितने नौजवानों को देश की रक्षार्थ तैयार किया। उन्होंने कहा कि आज नौजवानों को केवल सही दिशा देने

अंदाज में सुनाई कि श्रोताओं के जहन से हृदय तक शब्दचित्र उतरते चले गए। हल्दीघाटी का वर्णन अद्भुत था। उन्होंने महाराणा प्रताप को साहसी, एकता की मिसाल कायम करने वाला, अपने सिपहसालारों को रिश्तेदारों से भी अधिक चाहने वाला, शौर्यवान, धैर्यशील, फुतीर्ला और विपरीत परिस्थितियों में भी दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाला बताया। उन्होंने बताया कि वतन के लिए संघर्ष करने वाला कोई विरला ही अब पैदा होगा। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये और महाराणा प्रताप को महान योद्धा और देश का प्रेरणापुंज बताया। इससे पूर्व डॉ. गदिया और डॉ. अलका अग्रवाल ने महाराणा प्रताप, मां सरस्वती व भारत माता की प्रतिमाओं के समक्ष दीप सरस्वती वंदना से शुरू हुआ। एकल गीत, सम्भाषण व कविताओं के जरिये प्राची एंड ग्रुप, शालिनी, तनु आदि विद्यार्थियों ने महाराणा प्रताप की शौर्यगाथा सुनाई। स्लोगन के जरिये उनके विचारों को प्रदर्शित किया। समारोह का संचालन तनु एवं अनिरुद्ध ने किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के प्रमुख, फैकल्टी स्टाफ, छात्र-छात्राएं आदि मौजूद थे।

सदस्यता अभियान, कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरिः चौ. नीरपाल

पार्टी की सेवा मेरा धर्मः संजीव अरोड़ा

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के अंगीठी रेस्टोरेंट में राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ का सदस्यता अभियान शुरू हुआ। इस दौरान कुछ साथियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने पहुंचे राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री चौ. नीरपाल सिंह ने कहा कि पार्टी द्वारा पूरे देश में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सदस्य बनाओ। पार्टी को मजबूत करो। हम सबके नेता केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के दिशा निर्देशन में पार्टी मजबूत हो रही है। इस दौरान खेल प्रकोष्ठ गाजियाबाद के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष संजीव अरोड़ा का जोरदार स्वागत किया गया तथा उन्हें सदस्यता अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक तोमर, राष्ट्रीय महासचिव विजय कौशिक, पार्टी प्रदेश महासचिव रविंद्र चौहान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह टीटू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौ. तेजपाल सिंह, पार्टी की महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी, प्रदेश सचिव ओ डी त्यागी, भूपेंद्र डबास, दिनेश शर्मा चिंटू, किशन सिंह राघव, प्रदीप त्यागी ने भी सदस्यता अभियान में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

मदर्स डे पर माताओं ने बच्चों संग नृत्य व गायन के माध्यम से जमकर मचाया धमाल

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल सभागार में मातृ दिवस का धूमधाम से आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं की माताओं ने गायन व नृत्य प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग करते हुए जोरदार प्रदर्शन कर उपस्थित जनों को अचंभित करते जमकर तालियां बटोरी। माताओं ने आयोजित प्रतियोगिताओं के अपने-अपने वर्ग में विजेता बन सुपर मॉम खिताब पर अपना कब्जा जमाया।

इस शुभ अवसर पर विद्यालय प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा की मां के अंदर छिपी ममता अपार मात्रा में समाहित होती है वह लोग खुशनसीब होते हैं जिनको मां का प्यार और उनके द्वारा परवरिश मिलती है। प्रतियोगिताओं में विजेता रही माताओं हनीशा, पूजा, प्रीति, प्रीति डागर, नीतू, शिवानी स्वाति आदि सभी विजेताओं को स्कूल प्रधानाचार्य डॉ० अरुण त्यागी द्वारा पुरस्कार व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अर्चना शर्मा, चित्रा दीक्षित, ज्योति राघव, मोनिका त्यागी, नीतू राघव, शिल्पा त्यागी, आकांक्षा सेंगर, कुसुम शर्मा, सोनम त्यागी आदि शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

आपातकालीन स्थिति के लिए बनाया गया कंट्रोल रूम

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। युद्ध की विभीषिका को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर आपातकालीन स्थिति में शहर को व्यवस्थित रखने के लिए जिला आपदा प्रबंधन नियन्त्रण केन्द्र बनाया गया है। यह केन्द्र कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित नागरिक सुरक्षा के कार्यालय पर बनाया गया है। नागरिक सुरक्षा के सहायक उपनियंत्रक गुलाम नबी के निर्देशन में सुबह 7 बजे से रात्रि तक, फिर रात्रि से सुबह तक कई टीमें इस कंट्रोल रूम में ड्यूटी पर तैनात हैं।

इस मौके पर एडीसी श्री नबी ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में शहर के नागरिकों को हवाई हमले से सचेत करने के लिए शहर में चार स्थानों पर सायरन लगे हैं जिनकी रेंज 4-5 किलोमीटर तक है। इंदिरापुरम में एक सायरन सिस्टम और लगाया जाना है। कंट्रोल रूम के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में नागरिकों के लिए विभिन्न परिस्थितियों में सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की जाती है। इस मौके पर हर्ष वर्मा, रवि अग्रवाल, संध्या त्यागी, दीपक अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, शिवकुमार शर्मा, श्रीमती विमलेश, सौरभ त्रिपाठी, अभिषेक शर्मा, मंजू गर्ग, अंकित त्यागी, हेमा शिवपुरी, गगन अरोड़ा, निखिल गर्ग, श्रीवा अग्रवाल, पल्लवी शर्मा, नीतू गर्ग, संजय खन्ना, शिवकुमार राय, मोहन शर्मा, ब्रह्मदत्त शर्मा, अखिल भटनागर सहित सैकड़ों वार्डन अलग अलग शिफ्ट में ड्यूटी दे रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के जन्मदिन पर उजागर फाउंडेशन ने दी बधाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

साहिबाबाद। साहिबाबाद क्षेत्र के विधायक एवं उत्तरप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के जन्मदिन पर उजागर फाउंडेशन के पदाधिकारी उनके कार्यलय पर पहुँचे और उन्हें अंग वस्त्र व पौधा भेट कर जन्मदिन की शुभकामनायें दी। इस अवसर पर फाउंडेशन की अध्यक्ष शिवानी जैन, महासचिव सचिन सोनी, पार्षद नीरज गोयल व राजेन्द्र नगर कार्यालय प्रभारी हरीशचंद्र शर्मा मौजूद रहे।

रायन इंटरनेशनल स्कूल गाज़ियाबाद में मदर्स डे का किया आयोजन, 80 से अधिक माताओं ने कार्यक्रम में लिया भाग

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। माँ के निस्वार्थ प्रेम, देखभाल एवं त्याग को सम्मान अर्पित करने के उद्देश्य से रायन इंटरनेशनल स्कूल, गाज़ियाबाद में मदर्स डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थापक डॉ. ए. एफ. पिन्टो एवं निदेशिका डॉ. ग्रेस पिन्टो के मार्गदर्शन में 9 मई को मदर्स डे का समारोह बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर 80 से अधिक माताओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। समारोह का शुभारंभ प्रभु वंदना, विशेष प्रार्थना एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण प्रार्थना व नृत्य के साथ हुआ। कक्षा दो के नन्हे-मुन्ने छात्रों ने मनमोहक वेलकम डांस प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय की प्राचार्या अंजु शर्मा ने मुख्य अतिथि, निर्णायकगण रजत दीक्षित (एग्जीक्यूटिव शेफ, ट्राइडेंट होटल, मुंबई) एवं पूजा शर्मा (पैशनेट एजुकेटर एवं आर्टिस्ट) का नवोदित पौधा भेंट कर अभिनंदन किया तथा माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। माताओं द्वारा अपने बच्चों के जीवन निर्माण में किए गए अमूल्य योगदान को हृदय से सराहा गया। इस अवसर पर कई मनोरंजक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें प्रमुख रूप से मॉम एंड मी आर्ट अटैक प्रतियोगिता में माताओं और बच्चों ने मिलकर रचनात्मकता का परिचय देते हुए आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड बनाए। म्यूज़िकल मॉम एक संगीतमय खेल था, जिसमें माताओं ने पूरे उत्साह और आनंद के साथ भाग लिया। वहीं कुकिंग विद लव प्रतियोगिता में माताओं ने बिना आग के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर अपनी अद्भुत पाक-कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी निभाने वाली सभी माताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागी माताओं में प्रथम स्थान सारा फरीदी (मॉम एंड मी आर्ट अटैक), रेनू यादव (कुकिंग विद लव) तथा रुचिका (म्यूज़िकल मॉम) रहीं। यह दिन सभी माताओं के लिए मनोरंजन, उत्साह और अविस्मरणीय पलों से परिपूर्ण रहा।

सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में उत्साह के साथ मातृशक्ति पूजन दिवस मनाया

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। निवाड़ी स्थित सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह के दौरान छात्रों की माताओ को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओ ने अपनी माताओं को अनेकों गतिविधियों के माध्यम से खुश करने का प्रयास किया। शनिवार को कस्बा निवाड़ी स्थित सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में हर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियों काआयोजन

किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी माताओं के लिए पत्र लेखन, पॉडकास्ट के माध्यम से माताओं की जीवन सिख, मां की जीवनी, पोस्टर बनाकर दिखाना आदि के पश्चात स्कूल में छात्रों की माताओ के लिए भी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मदर्स मास्टर शेफ, सुपर डांसर मोम, सुपर माडल मोम, सुपरस्टार सिंगर जैसी अनेकों प्रतियोगिताओं में माताओं ने भी प्रतिभागी के रूप में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसके अलावा जूनियर वर्ग

के छात्रों ने माताओं का संगीत के माध्यम से स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल प्रधानाचार्य डॉक्टर सरिता सिंधु ने बताया कि मातृ दिवस मनाने का उद्देश्य विश्व की सभी माताओं के प्रति सम्मान व कृतज्ञता प्रकट करना है। जिन्होंने अपने त्याग, प्रेम, प्रतिभा व योगदान एवं समर्पण के माध्यम से इस विश्व को उज्जवल करते हुए उन्होंने बताया कि 'मां' ईश्वर का दूसरा रूप है ईश्वर सभी जगह नहीं हो सकते इसलिए उन्होंने मां को बनाया है। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर रीता दरबारी द्वारा सभी माताओं को उनके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो की प्रशंसा एवं हौसला अफजाई करते हुए उनके द्वारा निरंतर बच्चों के साथ जुड़े रहने की और उनकी क्रियात्मक कौशलता को प्रदर्शित करने के लिए बधाई देने के पश्चात स्कूल प्रबंधक तुषार गुप्ता, डॉक्टर शिखा दरबारी सहित स्कूल प्रधानाचार्य डॉक्टर सरिता सिंधु ने संयुक्त रूप से सभी माताओ को भेंट देकर सम्मानित करते हुए मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।

राम कथा हर और हरी के एकरूपता व लोक कल्याणकारी कथा हैः अरविंद भाई ओझा

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। ओम अखाड़ा व गौशाला की सहायतार्थ सदरपुर गाजियाबाद में राम कथा के दूसरे दिन कथा व्यास अरविंद भाई ओझा ने कहा कि राम कथा भगवान शिव के मुख से निकली अमृत कथा है और गंगा भगवान शिव की जटाओं से निकली अमृत की धारा है और दोनों ही संसार में पवित्र करती है और दोनों ही जीवन को अमृत प्रदान करती है। राम कथा भगवान शिव और विष्णु के एकरूपता की कथा है जो सकल विश्व को लोक कल्याण का संदेश देती है विश्व में अगर शांति चाहिए तो राम के जीवन का अनुसरण करना पड़ेगा।

आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हीरा और कोयला एक ही स्थान पर पैदा होते हैं पर अपने अपने गुणों के कारण हीरा मुकुट की शोभा बढ़ाता और कोयला जल कर नष्ट हो जाता इसलिए परमात्मा ने हमें मनुष्य जीवन अनमोल दिया है जिसे हमें भक्ति के तराश कर हीरा बनाना चाहिए। भगवन श्री राम ने समाज के छोटे-छोटे लोगों को गले लगाया जिससे वे जन जन के राम हो गए। राम नाम की चर्चा करते हुए कहा कि राम ने तो केवल एक अहिल्या, सबरी आदि को तारा लेकिन राम के नाम ने कोटी कोटि लोगों को भवसागर से पार किया है इसलिए राम के जीवन के चरित्र का हमें अनुसरण करना चाहिए।

कथा व्यास जी ने कहा कि हमें अपने परिवार, समाज, धर्म व राष्ट्र की सेवा निस्वार्थ भाव से ये भगवान की सेवा ऐसा मानकर करनी चाहिए मानस में भगवान शंकर ने पार्वती जी से कहा है जो लोग निस्वार्थ सेवा और प्रेम करते है भगवान उनकी प्रशंसा स्वयं अपने मुख से करते हैं। कथा में विधायक अजित पाल त्यागी ने कहा कि हमारी सरकार संस्कृति और मंदिरों के जीर्णोद्धार व सोन्द्रीयकरन के साथ-साथ संस्कृति के विकास पर भी ध्यान दे रही है और अभी हमने घूमेश्वर महादेव सुराणा के उद्धार के लिए सरकार ने राशि दी और अब असलत नगर हनुमान जी के मंदिर के लिए भी निधि स्वीकृत की है। आज कथा में विधायक अजित पाल त्यागी, अमित ढबास पार्षद, मुख्य यजमान सुभाष राम महर सुराना, ओमवीर, जसवीर फौजी, बाबूराम त्यागी बड़ागांव, लोकेश शर्मा, राकेश वर्मा उपस्थित हुए।

डॉ. किरण सिंह को प्रदीप चौधरी ने 'सेवा ही परम धर्म' की मिसाल बनाते हुए किया गया सम्मानित

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। रमतेराम रोड स्थित सरकारी पशु चिकित्सालय में वेटनरी चिकित्सक के रूप में कार्यरत डॉ. किरण सिंह पशुओं की सेवा को अपना धर्म मानते हुए निस्वार्थ भाव से कार्यरत हैं। उन्होंने न केवल पालतू पशुओं बल्कि मोहल्ले में घूमने वाले आवारा, बीमार, चोटिल और पीड़ित जानवरों को भी अपनी चिकित्सीय सेवाएं देकर मानवता की मिसाल पेश की है। आज जब स्थानीय नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप चौधरी चिकित्सालय पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि डॉ. किरण सिंह न केवल अपनी मेज पर पूरी निष्ठा के साथ बैठकर जनसामान्य की पशुओं संबंधी समस्याओं का समाधान कर रहे थे, बल्कि उनके चारों ओर घायल व आवारा पशु भी विश्राम करते हुए नजर आ रहे थे-मानो उन्हें भी उस सेवा और स्नेह का अनुभव हो रहा हो। इस भावनात्मक और प्रेरणादायक दृश्य से प्रभावित होकर भाजपा मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने एक सामाजिक नागरिक होने के नाते डॉ. किरण सिंह का पुष्पगुच्छ और पटका पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया कैंसर हॉस्पिटल के उद्घाटन हेतु निमंत्रण

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। परम पूज्य संस्कार प्रणेता, ज्ञानयोगी, जीवन आशा हॉस्पिटल प्रेरणा स्त्रोत आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से निर्मित जीवन आशा हॉस्पिटल गाजियाबाद जिले में गंग नहर पर श्री मंशापूर्ण महावीर क्षेत्र पर स्थापित है। सौरभ सागर सेवा संस्थान द्वारा जीवन आशा हॉस्पिटल में 20 मई को नव निर्मित कैंसर हॉस्पिटल के उद्घाटन हेतु उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया है। इस अवसर पर उन्हें आमंत्रित करने वालों में संजय जैन, कवियत्री अनामिका अम्बर जैन आदि रहे।

सम्पादकीय

एकदम सटीक कार्रवाई

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के करीब दो सप्ताह बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों और आतंकी ढांचों को निशाना बनाया। इसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कुल नौ ठिकानों पर तीनों सेना की तरफ से सुनियोजित कार्रवाई की गयी। हमारी सेना के निशाने पर दो ज्ञात आतंकी संगठनों- लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी कैंप थे। सैन्य हमले एकदम सटीक थे, जिनमें नागरिक ठिकानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सैन्य कार्रवाई के बाद हमारी सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया, कार्रवाई नपी-तुली, आनुपातिक और जिम्मेदारी भरी थी, भड़काऊ नहीं। इसमें आतंकी ठिकानों के साथ आतंकियों को निशाना बनाया गया, जो भारत आकर हमले करते हैं। यह भी कहा गया कि पाकिस्तान के सैन्य ढांचे को निशाना नहीं बनाया गया। उड़ी और पुलवामा के बाद भारत ने जैसी सर्जिकल स्ट्राइक की थी, पाकिस्तान इस बार भी वैसी ही कार्रवाई की उम्मीद कर रहा था। पर जो हुआ, वह उसकी कल्पना से परे था। भारतीय सेना ने जहां नियंत्रण रेखा के पास वाले आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, वहीं वायुसेना ने पाकिस्तान के अंदर आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया। भारतीय कार्रवाई के असर का पता जैश सरगना मसूद अजहर की स्वीकारोक्ति से चलता है, जिसमें उसने अपने परिवार के दस लोगों के मारे जाने की बात स्वीकारी है। चूंकि सीमा के इस पार से ही सटीक निशाने साधे गये, इस कारण न तो आमने-सामने की लड़ाई हुई, न पाक वायुसेना को कोई अवसर मिला। संदेश बहुत स्पष्ट था- आतंकी हमले होंगे, तो भारत सैन्य कार्रवाई का समय और ठिकाने सुनिश्चित कर उनका करारा जवाब देगा। भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई के लिए लक्ष्य सुनियोजित ढंग से चुने। मात्र पच्चीस मिनट की चौतरफा सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में सत्तर से ज्यादा आतंकी मारे गये। इससे पाक सेना और उसकी कठपुतली सरकार की कंपकंपी छूट गयी, जिनकी सोच यह थी कि सैन्य तैयारी और परमाणु हमले की धमकी से भारत पीछे हट जायेगा। भारत की सैन्य कार्रवाई की इसलिए भी उम्मीद नहीं थी, क्योंकि सात मई को देश में मॉक ड्रिल होनी थी। इस बार की भारतीय कार्रवाई कई अर्थों में अलग थी। न सिर्फ उन्नत हथियारों व तकनीक का इस्तेमाल किया गया, आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने से पहले और बाद में ड्रोन और उपग्रहों के जरिये उनकी मॉनीटरिंग भी की गयी। यह सेनाओं की संयुक्त कार्रवाई थी, जिसमें उच्च स्तर का तालमेल था। संयुक्त कार्रवाई में तालमेल बनाने के लिए जिम्मेदार मुख्यालय ने हर पहलू पर बारीक नजर रखी। सैन्य कार्रवाई के बाद साझा ब्रीफिंग में ध्वस्त आतंकी ठिकानों के वीडियो जारी किये गये, ताकि कोई संदेह न हो। भारतीय कार्रवाई के तुरंत बाद पाकिस्तान ने यह झूठा दावा किया कि उसने दो से छह भारतीय युद्धक विमानों को मार गिराया है। भारत ने इन दावों को निराधार बताया। अपने दावे के पक्ष में पाकिस्तान ने जो वीडियो पेश किये, वे भारत में ट्रेनिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुए युद्धक विमानों के वीडियो और एयर वारफेयर के वीडियो गेम्स थे, जिनका भारत ने खंडन किया। पाकिस्तान के लिए यह अपनी इज्जत बचाने की बेचैन कोशिश थी। भारत द्वारा पहले की गयी सर्जिकल और एयर स्ट्राइक की तरह पाकिस्तान इस बार जान-माल की क्षति को छिपा नहीं पाया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक	:	**अशोक कौशिक**
समाचार सम्पादक	:	**राकेश शर्मा**
कानूनी सलाहकार	:	राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो.	:	9810149213
फोन	:	0120-4113213
E-mail	:	hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को निभानी होगी जिम्मेदारी की भूमिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सच ही कहा है कि अति उत्साह में कभी भी संयम नहीं खोना चाहिए। ऑपरेशन सिन्दूर और उसके बाद की हालातों को जिस तरह से टीवी चैनलों द्वारा सनसनीखेज बनाकर प्रस्तुत किया जा रहा है भले ही इससे इन चैनलों की टीआरपी में बढ़ोतरी हो जाए पर यह किसी भी हालत में एक जिम्मेदार मीडिया की भूमिका नहीं हो सकती। आज देशवासी सही तस्वीर देखने को तरस गए हैं। कोई चैनल पाकिस्तान के किसी स्थान पर कब्जे की बात करता है तो कोई चैनल पाकिस्तान की सीमाओं में भारतीय सेना के प्रवेश की बात करता है। कोई चैनल कुछ और सनसनीखेज तस्वीर बताता है। यह सब ऑपरेशन सिन्दूर के अगले दिन रात के प्रसारणों से खासतौर से देखने को मिला। ठीक है देशभक्ति का जज्बा है और ऑपरेशन सिन्दूर से प्रत्येक देशवासी अपने आप को गर्वान्वित महसूस कर रहा है। हमारी सेना, हमारे सैनिकों और राजनीतिक नेतृत्व को लेकर प्रत्येक देशवासी में अति उत्साह और लबालब विश्वास है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस दौर में देश के प्रिन्ट मीडिया ने अपनी भूमिका सही तरीके से निभाई है। सवाल यही है कि क्या चैनलों या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एकमात्र उद्देश्य गंभीर से गंभीर मुद्दे को सनसनीखेज ही बनाना है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि केन्द्र सरकार को बार बार एडवाइजरी जारी करनी पड़ रही है तो आमजन समझ ही नहीं पा रहे कि वास्तविकता क्या है? एक समय था जब आकाशवाणी की अपनी विश्वसनीयता रही। सरकारी प्रसारण होने के बावजूद घड़ी का समय मिलाने से लेकर नियतकालीन न्यूज प्रसारण समय पर लोग सब कुछ काम छोड़कर या फिर चौराहे की पान-चाय की दुकान पर जम जाते थे। प्रातः 8 बजे, रात पौने नो बजे व स्थानीय समाचारों के लिए निर्धारित समय पर लोग समाचार सुनने का बेसब्री से इंतजार करते थे। विश्वसनीयता यह कि सरकार विरोधी आंदोलनकारी भी सरकारी आकाशवाणी केन्द्रों से प्रसारित समाचारों पर पूरा पूरा विश्वास करते थे। यही कारण था कि समाचारों की विश्वसनीयता होती थी। दूरदर्शन का आंरभिक दौर भी इसी तरह का रहा है। आकाशवाणी और दूरदर्शन समाचारों की वह गौरवशाली परंपरा इतिहास की बात हो गई है। 1956, 1962 या 1971 का युद्ध हो सभी की निगाहें समाचार बुलेटिनों पर रहती थी तो समय की मांग को देखते हुए देशभक्ति पूर्ण गीतों, कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता था। समय का बदलाव देखिये कि टीवी चैनलों की टीआरपी दौड़ सत्य दिखाने के स्थान पर भ्रम का जाल बुनने लगती है।

> **यह सब ऑपरेशन सिन्दूर के अगले दिन रात के प्रसारणों से खासतौर से देखने को मिला। ठीक है देशभक्ति का जज्बा है और ऑपरेशन सिन्दूर से प्रत्येक देशवासी अपने आप को गर्वान्वित महसूस कर रहा है। हमारी सेना, हमारे सैनिकों और राजनीतिक नेतृत्व को लेकर प्रत्येक देशवासी में अति उत्साह और लबालब विश्वास है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस दौर में देश के प्रिन्ट मीडिया ने अपनी भूमिका सही तरीके से निभाई है। सवाल यही है कि क्या चैनलों या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एकमात्र उद्देश्य गंभीर से गंभीर मुद्दे को सनसनीखेज ही बनाना है।**

सोशियल मीडिया पर यह आरोप आम है पर समाचार टीवी चैनल तो दो कदम आगे हो गए हैं। समूचे देश के लिए गर्व की बात है कि आज सरहद के मोर्चे पर हो या कूटनीतिक मोर्चे पर हमारी रणनीति पूरी तरह से सफल है। हमारी सेना और सैनिक पाकिस्तान के हर कूटरचित कदमों को विफल करने में सफल हो रही है। पाकिस्तान द्वारा सीमावर्ती इलाकों और नागरिक क्षेत्रों में की जा रही सैन्य गतिविधियों को अंजाम देने के कुत्सित प्रयासों को पूरी तरह से विफल किया जा रहा है वही लगभग सभी द्रोण हमलों को विफल किया जा रहा है। पाकिस्तान अब पूरी तरह कुंठित देश हो गया है और आज तुर्की और चीन को छोड़कर कोई देश पाकिस्तान के पक्ष में आने को तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना के बाद से पाकिस्तान एक के बाद एक गलतियां कर रहा है और आतंकवादी के जनाजे में सैनिकों द्वारा शामिल होना उसके आतंकवादियों से जुड़ाव को स्पष्ट कर देता है। अब पाकिस्तान ने अपनी तरफ से इकतरफा भारत के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है अपितु परमाणु बम विस्फोट की धमकी दी जा रही है। पर जिस संयमित तरीके से भारत द्वारा पाकिस्तान के हर आक्रमण और कदम को विफल किया जा रहा है वह देश के लिए गर्व की बात है। आज पाकिस्तान का हर कदम उसके लिए आत्मघाती होता जा रहा है। बलूचियों को अलग अवसर मिल गया है तो पीओके में पाकिस्तान के विरोध को भी मुखर होने का अवसर मिल गया है। जब युद्ध जैसे हालात हो तो ऐसे में सबसे पहली आवश्यकता जिम्मेदार रिपोर्टिंग की हो जाती है। मीडिया को ऐसे सभी कदमों से बचना जरुरी हो जाता है।

सबसे महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि हमारी अतिउत्साह की रिपोर्टिंग दुश्मन देश के लिए सहायक ना बन जाए यह जरुरी हो जाता है। यही कारण है कि सरकार एडवाइजरी जारी करते हुए सेना के मूवमेंट व अन्य सामरिक सूचनाओं से दूरी बनाये रखने की सलाह दी जा रही है। दरअसल जिस तरह से ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पाकिस्तान द्वारा द्रोण हमलों का दौर चलाया और उनके द्रोण हमलें को नाकाम किया गया वहां तक तो सब ठीक रहा पर ब्रेकिंग के नाम पर जो कुछ दिखाया जा रहा था वह जिम्मेदार मीडिया की भूमिका नहीं कहा जा सकता। ऐसे में टीवी चैनलों को संयम और जिम्मेदारी से काम करना होगा। हमें पाकिस्तानी प्रोपेगेण्डा प्रचार से दूर रहते हुए रचनात्मक भूमिका निभानी होगी।

सीयूईटी 2025 प्रवेश परीक्षा कल से होगी शुरू, प्रवेश पत्र हुए जारी : राहुल गोयल

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट अंडरग्रेजुएट (CUET UG) 2025 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए है। 13 मई 2025 से 16 मई 2025 तक निर्धारित CUET (UG)-2025 के एडमिट कार्ड 10 मई को जारी कर दिए गए हैं। CUET UG 2025 परीक्षा इस बार कई शिफ्टों में आयोजित की जा सकती है, जिसका निर्धारण उम्मीदवारों की संख्या और विषय संयोजन के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक परीक्षा की अवधि 60 मिनट निर्धारित की गई है। इस वर्ष CUET UG कुल 37 विषयों के लिए आयोजित की जा रही है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, CUET UG 2025 परीक्षा 13 मई से 3 जून तक होने वाली है। परीक्षण एजेंसी ने पहले ही परीक्षा शहर की पर्ची जारी कर दी है।

वैश्य एकता समिति का 84वाँ विवाह योग्य वैश्य युवक युवती सम्मेलन आयोजित

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। वैश्य एकता समिति गाजियाबाद द्वारा आज दिनांक 11 मई 2025 को दुर्गा वाशिंग पाउडर परिसर, पारस होटल के पीछे, अम्बेडकर रोड, कालकागढ़ी चौक, गाजियाबाद पर विवाह योग्य वैश्य युवक-युवतियों एवं समाज के अन्य वर्ग हेतु 84वां मासिक परिचय सम्मेलन समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गुप्ता (चेयरमैन दुर्गा वाशिंग पाउडर) के सौजन्य से आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष ने सभी प्रत्याशियों, अभिभावको, परिचयकर्ताओ एवं आयोजन में उपस्थित समाजसेवियों व पत्रकार बंधुओं का अभिनंदन करते हुए सभी को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होने कहा कि आप सभी के सहयोग के कारण यह सम्मेलन हर माह सफलतापूर्वक आयोजित हो रहा है एवं प्रत्येक माह 50-60 नये रजिस्ट्रेशन फार्म का सहयोग सदैव मिलता रहा है तथा 12-14 रिश्ते भी तय हो जाते हैं, इसके लिए उन्होने सभी का धन्यवाद अर्पित किया। समिति द्वारा विवाह योग्य वैश्य युवक युवती हेतु परिचय सम्मेलन के साथ-साथ ब्राह्मण एवं अन्य वर्ग के युवक एवं युवती हेतु भी सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। महासचिव व संयोजक अजय कुमार गोयल ने सभी प्रत्याशियों का मंच के माध्यम से परिवार सहित परिचय कराया। उन्होने बताया कि इस माह परिचय सम्मेलन में 34 नये प्रत्याशियों के पंजीकरण हुए एवं पत्रिका में पूर्व पंजीकृत प्रत्याशियों से सम्पर्क करने पर 11 प्रत्याशियों के वैवाहिक सम्बन्ध तय होने की जानकारी प्राप्त हुई है जो कि समिति के लिए बहुत ही हर्ष का विषय है, उन्होने कहा कि यह कार्य प्रेमचंद गुप्ता जी के मार्गदर्शन व सभी पदाधिकारियों एवं अभिभावकों के सहयोग से सम्भव हो पाया है। समारोह में उपस्थित युवती प्रत्याशियों द्वारा मंच पर परिचय देने के उपरांत उन्हें पुरूस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। पत्रिका के संपादन का कार्य अनुराग अग्रवाल के द्वारा बहुत कम समय में तैयार किया गया जिसके लिए समिति के समस्त पदाधिकारियों की तरफ से उनका विशेष रूप से आभार प्रकट किया गया। सम्मेलन को सफल बनाने में अध्यक्ष प्रेमचंद गुप्ता, अजय कुमार गोयल, अनुराग अग्रवाल, बुद्धगोपाल गोयल, बीएन अग्रवाल, सतीश गुप्ता, बिजेन्द्र गर्ग, नवनीत गुप्ता, राकेश मित्तल तथा राजीव अग्रवाल, महेन्द्र गुप्ता, लक्ष्मी नारायण सिंघल, राधारमण अग्रवाल, राजेश गुप्ता आदि पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

भारत के हाथों 'हार' का रहा है पाक का इतिहास

प्रदीप कुमार वर्मा

कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का बदला भारत ने ले लिया है। भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान के जरिए पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया गया है। उधर, पाकिस्तान ने भी अपनी परंपरागत आदत के मुताबिक भारत के रिहायशी तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। भारत की सेना ने पाकिस्तान की इस नापाक हरकत का मुंह तोड़ जवाब दिया है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब भारत के हाथों पाक को मुंह की खानी पड़ी है। इससे पहले भी हुए युद्ध में भारत ने जंग के मैदा न में पाकिस्तान को कई बार धूल चटाई है। फिलहाल, हालात ऐसे हैं कि भारत में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के घमंड को चूर-चूर कर दिया है। यही नहीं भारत और पाकिस्तान के बीच इस नए मोर्चे के बाद जहां भारत को कई देशों का समर्थन मिल रहा है। वहीं, पाकिस्तान विश्व बिरादरी में अलग-थलग पड़ गया है। पहलगाम के आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत में शुरूआत सिंधु जल समझौते के निरस्त करने से की। इसके बाद भारत ने चिनाब का पानी भी रोक दिया। यही नहीं भारत ने अटारी बॉर्डर को बंद करके पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार के आयात और निर्यात पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी है। भारत ने एक कूटनीतिक कदम उठाते हुए पाकिस्तान के दूतावास में अधिकारियों की संख्या में कटौती कर दी। इसके साथ ही भारत में पाकिस्तान के जहाजों की आवाजाही पर पूर्ण पाबंदी के साथ-साथ पाकिस्तान के पोतों के लिए भारत के बंदरगाहों को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इस आर्थिक मोचाबंदी के बाद पहले से ही गरीबों की मार झेल रहे पाकिस्तान में अब कंगाली के हालात है। यही नहीं भारत ने विश्व पटेल के अन्य देशों के साथ अपनी कार्रवाई को साझा करते हुए उनका विश्वास जीता है। यही वजह है कि अब विश्व का अनेक देश पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की इस कार्रवाई में उसके साथ हैं।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब आतंकवाद का पालन-पोषण वाले पाकिस्तान को भारत के साथ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष युद्ध में मुंह की खानी पड़ी है। लेकिन पाकिस्तान है कि तमाम नुकसान के बाद ना तो उसने आतंकवादियों को आश्रय देना बंद किया है और ना ही अपनी पुरानी हार से कोई सबक सीखा है। भारत और पाकिस्तान के बीच अगर युद्ध की बात करें तो वर्ष 1947 से 1948 के बीच में कश्मीर में 22 अक्टूबर 1947 से 1 जनवरी 1949 तक भारत और पाकिस्तान के बीच पहला युद्ध हुआ। इस युद्ध में पाकिस्तान ने कबालियों के साथ कश्मीर पर आक्रमण किया। लेकिन उसे भारतीय सेना के हाथों मुंह की खानी पड़ी और 1 जनवरी 1949 को युद्ध विराम की घोषणा हुई। इसके बाद उसने कश्मीर के कुछ हिस्से पर कब्जा कर लिया। जिसे आज भी पीओके नाम से जाना जाता है। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1965 में युद्ध हुआ। तब 5 अगस्त 1965 को पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर की नियंत्रण रेखा के पर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की। इसके जवाब में भारतीय सेना ने कई स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर लाहौर पर हमला कर दिया तथा भारतीय सैनिकों ने 8 अगस्त 1965 को हाजी पीर दर्रे पर भारतीय तिरंगा फहरा दिया। इसके बाद तत्कालीन सोवियत संघ और अमेरिका की मध्यस्थता से युद्ध विराम पर सहमत हुए दोनों देशों के बीच ताशकंद समझौता हुआ और भारत की सेना एक बार फिर नियंत्रण रेखा पर से वापस लौट आई। इसके करीब 6 साल बाद वर्ष 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच फिर से युद्ध हुआ। इस युद्ध को ‌बांग्लादेश मुक्ति संग्राम‌ के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध 3 दिसंबर 1971 से लेकर 16 दिसंबर 1971 तक चला तथा इसके बाद पाकिस्तान दो भागों में पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्व पाकिस्तान बन के रूप में बंट गया। इस युद्ध में लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने 16 दिसंबर 1970 को ढाका में भारत के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा की उपस्थिति में करीब 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों के साथ सरेंडर कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हुआ और बांग्लादेश का जन्म हुआ। वर्ष 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध हुआ। इस साल पाकिस्तान ने आतंकवादी घुसपैठियों के साथ कश्मीर की पहाड़ियों पर आक्रमण कर दिया तथा टाइगर हिल सहित सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कई अन्य चोटियों पर कब्जा जमा लिया। इसके बाद 10 में 1999 को भारत ने ऑपरेशन विजय की शुरूआत की और भारतीय सेवा के वीर सपूतों ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए 26 जुलाई को भारतीय सेना ने पूरे क्षेत्र को पाकिस्तानी आतंकवादियों के कब्जे से मुक्त करा लिया। इस दिन को ‌कारगिल विजय दिवस‌ के रूप में मनाया जाता है। बताते चलें कि पहलगाम में आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने सधी हुई रणनीति अपनाते हुए ‌ऑपरेशन सिंदूर‌ शुरू किया। इस विशेष ऑपरेशन में भारत की सेना ने पीओके तथा पाकिस्तान के अन्य इलाकों में आतंकवादियों के नों ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन हमले में तबाह कर दिया। यही नहीं भारत में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी अपने मित्र देशों के साथ-साथ अन्य देशों तथा यूएन को दी और बताया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए केवल आतंकियों को निशाना बनाया है। भारत की सेना ने इस अभियान में पाकिस्तानी सैनिक ठिकानों और नागरिकों को निशाना नहीं बनाया है। अमेरिका तथा रूस समेत अन्य देशों ने भारत की इस कार्रवाई को उचित बताते हुए आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में भारत का साथ देने का ऐलान किया है।

Lost & Found

I HAVE lost my Allotment & Possession Letter of my H.No- FF-2, Pratistha Apartment, Kavi Nagar, Ghaziabad. If anyone found, Pls cont: Varun Sharma S/o Ram Dev Sharma. M: 9810040850

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि भवन संख्या-404 सतपुडा, कौशाम्बी गाजियाबाद का आवंटन प्राधिकरण से श्री मनोज पाण्डेय पुत्र स्व0 श्री प्रमोद कुमार पाण्डेय को हुआ है। इनके द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक 03.07.2003 को अपने पक्ष में निष्पादित कराकर भवन का विक्रय श्री विनोद तोमर पुत्र श्री सूरत सिंह तोमर के पक्ष में दिनांक 03.11.2021 को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त भवन के अभिलेखों में नाम दर्ज नहीं कराया गया है। अब भवन क्रेता श्री विनोद तोमर की मृत्यु दिनांक 24.12.2024 को होने के कारण इनकी वारिस पत्नी श्रीमती मनु तोमर द्वारा उक्त भवन के अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है :-

क्र.सं.	मूल आवंटी/पट्टाधाक/स्वामी का नाम	भवन संख्या	योजना का नाम	आवेदिका का नाम (पति का नाम सहित)	आवेदिका का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त संपत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री मनोज पाण्डेय पुत्र स्व0 श्री प्रमोद कुमार पाण्डेय	404 सतपुडा	कौशाम्बी	श्रीमती मनु तोमर पत्नी स्व0 श्री विनोद तोमर	पता- 6116/4 डी-6, संतुष्टी अपार्टमेंट, वसंत कुंज नई दिल्ली-110070, मो. नं. 9310152130	मृत्यु उपरांत नाम दर्ज	पट्टाधृत

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भवन के नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियाँ सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर प्रभारी सम्पत्ति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता / सकती है, अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जाएगा और कोई पश्चात्वर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नही किया जाएगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण गाजियाबाद

मातृ दिवस और भगवान नरसिंह जयंती की अनेकानेक शुभकामनायें

माँ मात्र एक शब्द नहीं, सम्पूर्ण सृष्टि: स्वामी चिदानन्द सरस्वती

हिन्द आत्मा संवाददाता

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आज मातृ दिवस के अवसर पर आज की गंगा आरती माँ, भारत माता और धरती माता को समर्पित की। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि 'माँ है, तो हम हैं!' यह वाक्य मात्र शब्द नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि का सार है। माँ केवल जीवन देने वाली नहीं होती, वह जीवन को अर्थ देने वाली, दिशा देने वाली और जीवन को भावनाओं से भरने वाली होती है। माँ की ममता की शक्ति अद्भुत है। भारत की संस्कृति में माँ का स्थान सर्वोच्च है। वेदों से लेकर आधुनिक विचारधाराओं तक, मातृत्व को देवत्व का दर्जा दिया गया है। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी अर्थात माता और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं। आज जब हम मदर्स डे मना रहे हैं, यह केवल एक दिन की औपचारिकता नहीं,

बल्कि एक अवसर है माँ के महत्व को समझने, उनके बलिदानों को याद करने और उनके चरणों में कृतज्ञता व्यक्त करने का। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि हमारे जीवन में तीन माताओं का विशेष महत्व है। माँ, जो हमें जन्म देती है। भारत माता, जो हमें संस्कार, संस्कृति और पहचान देती है और धरती माता, जो हमें अन्न, जल, वायु और जीवन देती है। इन तीनों माताओं को समर्पित है आज का दिन। आज की तेज रफ्तार भरी दुनिया में हम कभी-कभी यह भूल जाते हैं कि हमारे जीवन की जड़ें कहाँ हैं। मोबाइल की स्क्रीन पर माँ की मुस्कान नहीं दिखती, लेकिन वही मुस्कान हमारे जीवन की पहली प्रेरणा होती है। माँ के आँचल में वह सुकून है जो संसार में कही भी नहीं मिलता। माँ का जीवन त्याग, सेवा, प्रेम और करुणा का सजीव उदाहरण है। वह बिना किसी अपेक्षा के सब कुछ देती है, अपना समय, अपना स्वास्थ्य, अपनी नींद और अपने सपने और बदले में क्या चाहती है? सिर्फ अपने बच्चों का साथ, स्नेह और सम्मान। स्वामी जी ने कहा कि माँ का हृदय प्रकृति जैसा है, सहनशील, पोषण करने वाला और हर परिस्थिति में प्रेम लुटाने वाला। यदि आज के युवाओं को माँ की सेवा और धरती माता का संरक्षण करना आ जाए, तो दुनिया की अधिकतर समस्याएँ स्वयं हल हो जाएँगी। माँ सिर्फ व्यक्ति विशेष नहीं, बल्कि एक विचार है, करुणा का, समर्पण का, सेवा का। माँ एक संस्कृति है, जो पीढ़ियों को जोड़ती है। माँ एक शक्ति है, जो टूटे को जोड़ती और बिखरे को समेटती है। स्वामी जी ने कहा कि आज नरसिंह जयंती भी है। आज के दिन ही भगवान श्री हरि ने भक्त प्रह्लाद की रक्षा हेतु नरसिंह अवतार धारण किया था। आधे नर, आधे सिंह का अद्भुत रूप जो यह संदेश देता है कि जब अन्याय अपनी चरम सीमा पर पहुँचता है, तब सृजनकर्ता स्वयं सृजन के नए स्वरूप में प्रकट होकर अधर्म, अन्याय और अहंकार के विरुद्ध धर्म, करुणा और सत्य की विजय का उद्घोष कर संतुलन स्थापित करते हैं। आज के युग में, जब अनेक प्रकार के भटकाव और असत्य के आकर्षण हमारे युवाओं के चारों ओर हैं, ऐसे में भक्त प्रह्लाद का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य और भक्ति के मार्ग पर अडिग रहना ही सच्ची विजय है। जब मन में दृढ़ विश्वास हो, तो समूचा ब्रह्मांड भी आपकी रक्षा के लिए उपस्थित हो जाता है। हिरण्यकशिपु, शक्ति का प्रतीक था, लेकिन उसका अहंकार उसे विनाश की ओर ले गया। जहाँ अहंकार है, वहाँ ईश्वर का वास नहीं होता। आज जब भौतिकता, पद और प्रतिष्ठा की दौड़ में हम अनजाने में अहंकार के शिकार हो जाते हैं, नरसिंह जयंती हमें जागृत करती है कि विनम्रता, सेवा और परोपकार ही स्थायी मूल्य हैं। वर्तमान समय में भी यह दुनिया किसी न किसी रूप में हिरण्यकशिपु के अन्याय से जूझ रही है, चाहे वह पर्यावरण का शोषण हो, सामाजिक विषमता हो, आतंकवाद हो या मानसिक अशांति। नरसिंह जयंती का यही आह्वान है कि हम अपने भीतर के 'प्रह्लाद' को जागृत करें विश्वास, भक्ति और सत्य का दीप जलाएं। हम अपने भीतर छिपे हिरण्यकशिपु अर्थात क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार का संहार करें। जब हम भीतर से निर्मल होते हैं, तभी बाहर भी धर्म, करुणा और सेवा का सृजन होता है। हर दिन अपने भीतर के प्रह्लाद को पोषित करें और हर परिस्थिति में विश्वास, धैर्य और प्रेम को बनाये रखें। यही आज का युगधर्म है।

पी.एम.श्री सी.एस.मोरटी, रजापुर में मातृ दिवस बड़े ही उत्साह और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। पी.एम.श्री सी. एस. मोरटी, रजापुर में मातृ दिवस बड़े ही उत्साह और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए सुंदर-सुंदर कार्डों से हुई, जिनके माध्यम से बच्चों ने अपनी भावनाएँ माताओं के प्रति प्रकट की। जिन माताओं के बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आते हैं, उन्हें 'बेस्ट मॉम' का टैग देकर सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें और अधिक प्रेरणा मिली। इसके साथ ही आयोजित रैम्प वॉक में माताओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ भाग लिया, जिससे उनके अंदर आत्मबल और गर्व की अनुभूति देखी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के शिक्षकों की ओर से एक विशेष कार्ड उन माताओं को समर्पित किया गया,

जिनके पुत्र भारतीय सीमा पर देश की रक्षा में दिन-रात तैनात हैं। ऐसी वीर माताओं को विद्यालय परिवार की ओर से हृदय से नमन।

सामाजिक संस्थाओं ने डॉ.केवल कृष्ण थम्मन को वृक्षारोपण कर दी श्रद्धांजलि

पेड़ लगाना केवल प्रकृति से प्रेम नहीं, पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक भी है

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। नगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थाओं द्वारा पर्यावरण के प्रति समर्पित आयोजन में बड़ी ही भावुकता के साथ वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ.केवल कृष्ण थम्मन की स्मृति को समर्पित वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धांजलि दी गई। रविवार को महामाया सिकरी मंदिर में डॉ. थम्मन के सुपुत्र ऋषि थम्मन एवं पौत्र कृष थम्मन ने मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कर दिवंगत आत्मा को नमन करने के पश्चात वृक्षारोपण कर इस परिवार ने यह संदेश देने का काम किया कि यह न केवल एक श्रद्धांजलि थी, बल्कि एक गहरा पारिवारिक और सामाजिक संदेश भी जो जीवनभर दूसरों की सेवा करते हैं उनकी यादें भी सदा जीवंत रहती हैं। इस कार्यक्रम में सहयोगी रही प्रमुख संस्थाओं में पहल एक प्रयास, स्वाभिमान ट्रस्ट, यूवी कैन ब्रिंगिंग स्माइल्स, एवं दशमेश खालसा से जुड़े पदाधिकारीयों एवं सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने डॉ.थम्मन के जीवन मूल्यों एवं चिकित्सा सेवा में उनके योगदान और मानवीय दृष्टिकोण को स्मरण करते हुए अपने जीवन में उन्हें आत्मसात करने का संकल्प लिया।

नंदिनी त्यागी ने ताइक्वांडो में जीता गोल्ड मेडल

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। वसुंधरा निवासी नंदिनी त्यागी ने आज एलेन हाउस पब्लिक स्कूल में चल रही डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में 40 किलो वेटे केटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया। यहां आपको बता दें कि नंदिनी वनस्थली पब्लिक स्कूल में कक्षा 5 की छात्रा हैं और उसकी रुचि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी है।

डॉ. के.एन.मोदी ग्लोबल स्कूल की तीनों शाखाओं में किया मदर्स डे का आयोजन

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। डॉ. के०एन०मोदी ग्लोबल स्कूल की तीनों शाखाओं प्रीटी पेंगुइन, टेक्सटाइल ब्रांच एवं ग्लोबल स्कूल मैं धूमधाम से मदर्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मैं अभिभावक के रूप में उपस्थित हुई माताओं ने अपने-अपने बच्चों के साथ आयोजित अनेकों गतिविधियों में भाग लिया। मालूम हो कि माँ का प्यार वह ताकत है जो एक सामान्य इंसान को भी असंभव कार्य करने में सक्षम बनाता है।माँ ईश्वर द्वारा दिया गया एक अमूल्य उपहार हैं जिसमें प्रेम, समर्पण और त्याग का एक आदर्श मिश्रण हैं। माँ और उसके बच्चे का बंधन बड़ा ही अवर्णनीय है। जिसका जश्न मनाने के लिए, डॉ. के.एन.मोदी ग्लोबल स्कूल की तीनों शाखाओ प्रीटी पेंग्विंस व टेक्सटाइल ब्रांच सहित ग्लोबल स्कूल में मातृ दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ.के.एन.मोदी फाउंडेशन के प्रशासनिक अधिकारी मेघराज शर्मा सहित स्कूल उप प्रधानाचार्य पूजा शर्मा, प्रीटी पेंग्विंस स्कूल की प्रेरणा वर्मा, टेक्सटाइल ब्रांच की हेडमिस्ट्रेस सपना खुराना एंव डॉ. केएन.एम. ई.सी.की असिस्टेंस प्रोफेसर सारांश द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम मे आमंत्रित की गई प्री-नर्सरी व कक्षा प्रथम

छात्रों की माताएं उपस्थिति रही।जिन्हें बैच पहनाने के पश्चात स्कूली छात्रों ने अपनी माताओं के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हुए फूल भेंट कर उनका भावपूर्ण स्वागत किया। तत्पश्चात माताओं के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए मधुर संगीत व गीतों ने वातावरण को भावनात्मक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों के साथ-साथ कई तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।जिसमें माताओं ने बड़े उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। सुपर मॉम म्यूजिकल चेयर्स, पास द पार्सल और माँ-बच्चे की जोड़ी प्रतियोगिताओं ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस दौरान ग्रेड नर्सरी,

जूनियर के जी व सीनियर के जी के नन्हे मुन्ने छात्रों ने दिल को छू लेने वाली अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की जिसे देखकर सभी का मन भाव विभोर हो उठा। तत्पश्चात प्री-नर्सरी की माताओं ने रैम्प वॉक करने सहित अपने बच्चो के साथ नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से कार्यक्रम में कुछ अलग ही रंग भर दिया। प्री-नर्सरी ग्रेड के नन्हे-मुन्नों ने अपनी माताओं को गले लगाते हुए उन्हें अपने हस्त निर्मित प्रतीक, मुकुट पहनाया, जिसमें लिखा था कि 'मेरी माँ मेरी रानी है।' मातृ दिवस का यह कार्यक्रम एक यादगार बंद कर रह गया। कार्यक्रम के अंत में सभी माताओं को विद्यालय की ओर से एक-एक तुलसी का पौधा शेष स्मृति स्वरूप भेंट करते हुए संदेश दिया गया कि माँ जीवन में तुलसी के समान होती है। इस अवसर पर विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाचार्या पूजा शर्मा, टेक्सटाइल ब्रांच की हेडमिस्ट्रेस सपना खुराना व प्रीटी पेंग्विंस की हेडमिस्ट्रेस प्रेरणा वर्मा ने अपनी अपनी शाखाओं मे मातृत्व के महत्व पर विस्तार पूर्वक अपने विचार व्यक्त करते हुए जीवन में मां के महत्व को समझाया।

सिक्ख समाज द्वारा सेना के आपरेशन सिन्दूर को समर्थन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाज़ियाबाद। भारत माता सांस्कृतिक न्यास द्वारा आयोजित तिरंगा शौर्य यात्रा एवं भारत माता की महाआरती में सिक्ख समाज द्वारा आपरेशन सिन्दूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामन्त्री राजनाथ सिंह व देश की सेना का समर्थन करते हुए यात्रा के मुख्य अतिथि धर्मपाल सिंह व कार्यक्रम प्रमुख मयंक गोयल को इस आशय से अवगत भी कराया। इस अवसर पर महानगर के समन्वयक सरदार एसपी सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं भारतीय सेना ने पाकिस्तान को उसकी नापाक हरकत के लिए आपरेशन सिन्दूर द्वारा जो सबक दिया है, पूरा देश

व सिक्ख समाज उन पर गर्व करता है और उनका अभिनंदन करता है। सीजफायर का उल्लंघन करने पर पुनः पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया जाए। इस अवसर पर जसविन्दर सिंह सनी, रविन्दर सिंह जौली, जगमोहन सिंह सलूजा, मनजीत सिंह सेठी, हरप्रीत सिंह जग्गी, गगन सिंह अरोड़ा, इन्द्रजीत सिंह टीटू, एसएस आनन्द, डाक्टर एसएस पुरी, जसपाल सिंह, दलजीत सिंह टिम्मी, अजीत सिंह नन्दा, मनजीत सिंह साहिबाबाद, रविंद्र सिंह सग्गू, अजीत सिंह, कंवलजीत सिंह सिक्का, हरजोत सिंह, जसबीर सिंह, सुखविंदर सिंह, जगपाल सिंह, मोहन पाल सिंह, इकबाल सिंह सोढ़ी, मुखविन्दर सिंह, सिमरन रंधावा, लवली कौर, शिवप्रीत सिंह, हरजोत सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय शोभापुर में मदर्स डे का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। प्राथमिक विद्यालय शोभापुर में आज मदर्स डे कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे विद्यालय में पढ़ रहे छात्रों की माताओ को सम्मानित करना है। इस कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनीला गुप्ता ने बालक के जीवन में मां की भूमिका पर विचार प्रस्तुत करते हुए किया। वैसे तो मां की भूमिका प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होती है लेकिन छोटे बच्चों के जीवन में मां की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है क्योंकि सबसे पहली पाठशाला बच्चों की उनकी मां होती है। इसके पश्चात बच्चों का रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जिसमें छोटे बच्चों ने मां के लिए अपनी भावनाएं व्यक्त की। इस कार्यक्रम ने अध्यापकों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। इसके पश्चात बच्चों ने एक लघु नाटिका प्रस्तुत की जिसमें मां की शिक्षा के क्षेत्र में क्या भूमिका है। इस अवसर पर माताओ के बीच प्रतियोगिताओं का

आयोजन भी किया गया जिसमें कई माताओ ने पुरस्कार प्राप्त किये। इसके पश्चात विद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्रों की माताओ को सम्मानित किया गया जिन्होंने गत वर्ष अपने बच्चों को और विद्यालय को पूर्ण सहयोग दिया। बच्चों ने अपनी माताओ को ग्रीटिंग कार्ड देकर धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सभी अभिभावकों के साथ विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का समापन अभिभावकों की जलपान की व्यवस्था के साथ किया गया।

सेंट थॉमस स्कूल इंदिरापुरम में हवाई हमलों से बचाव हेतु व ब्लैक आउट से संबंधित प्रशिक्षण एवं मॉकड्रिल का किया गया आयोजन

साहिबाबाद (हिन्द आत्मा)। नागरिक सुरक्षा गाजियाबाद के द्वारा इंदिरापुरम में सेंट थॉमस स्कूल इंदिरापुरम के अनुरोध पर एडीसी नागरिक सुरक्षा गुलाम नवी के निर्देशन में हवाई हमलों से बचाव हेतु व ब्लैक आउट से संबंधित प्रशिक्षण एवं मॉकड्रिल का आयोजन किया। उक्त प्रशिक्षण डिविजनल वार्डन ए.के. जैन, ए.के. ठाकुर के मार्गदर्शन में दिया गया। स्कूली बच्चों को प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि हवाई हमले के दौरान जैसे आप सायरन या अन्य चेतावनी सुनते हैं तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाए 'हवाई हमले का प्रथम चेतावनी पीला संकेत' यह चेतावनी हवाई हमले के खतरे का आभास होते ही वायुयान के अड्डों से नियंत्रण केंद्रों में भेजी जाती है जिसका मतलब यह होता है किहमला 15,20 मिनट के अंदर होने की संभावना है। इस चेतावनी का उद्देश्य यह है कि प्रशासन और नागरिक सुरक्षा के कार्यकर्ता सतर्क हो जाए और सामान्य कार्य स्थगित करके हवाई हमले से बचाव की तैयारी में तुरंत लग जाए। यह संकेत जनसाधारण को नहीं दिया जाता।

हवाई हमले का लाल संकेत

इस संकेत का अर्थ है कि हमला शुरू हो गया है अथवा दो-तीन मिनट के अंदर हवाई हमला होने वाला है। इसके लिए जनसाधारण को सूचित करना अति आवश्यक है। इसके संकेत प्राप्त होते ही तुरंत सायरण बजाया जाता है। सायरन 2 मिनट तक क्रम से पांच सेकंड ऊंचे और तीन सेकेंड तक धीमे स्वर में बजाया जाता है ।

हवाई हमले का हरा संकेत

इसका अर्थ होता है कि खतरा टल गया है और सभी लोग बचाव के स्थान से निकल कर नागरिक सुरक्षा के कार्यों में लग जाए। इसमें जनसाधारण को सूचना दी जानी आवशयक है। इसमें 2 मिनट तक एक ही आवाज में सायरन बजता है। मॉकड्रिल में प्रशिक्षण स्टाफ आफिसर रमन सक्सेना, संध्या त्यागी, सुनील गोयल, आशीष चौधरी, विजय, आकाश, अंकुश, मनीश, महेश कुमार, उमेश चन्द, धर्मवीर मिश्रा, सुमित गौतम, प्रवीण, मुकेश व अन्य वार्डन के देखरेख में संपन्न कराया गया। उक्त जानकारी घटना नियंत्रण अधिकारी नागरिक सुरक्षा नितिश सिंह के द्वारा दिया गया।

कहा: आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी होने वाली नहीं और न ही प्यार की भाषा मानने वाली है

आतंकी जिस भाषा में समझेंगे उन्हें उसी भाषा में जवाब देंगे: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाली नहीं। उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे और उन्होंने व सीएम योगी ने एक साथ बटन

दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक 'ब्रह्मांड' का भी विमोचन किया गया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया। पहले कंपनियों को यहां आने में समस्या होती थी, क्योंकि पॉलिसी नहीं थी, सुरक्षा का अभाव था। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं तो पूंजी कहां सुरक्षित रहने वाली है। आज व्यक्ति भी सुरक्षित है, पूंजी भी सुरक्षित है और देश की सुरक्षा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी हम मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज एक रिच इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे पास है। डीआरडीओ का केंद्र, ब्रह्मोस मिसाइल के साथ-साथ एंकर यूनिट के रूप में पीटीसी की उपस्थिति और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादन के लिए किए जाने वाले निवेश इस बात की गवाह है कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में भारत की आवश्यकताओं की आपूर्ति करने के लिए पूरी मजबूती के साथ एक ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की रक्षा उत्पादन की आत्मनिर्भरता में अपना योगदान देने में पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। यहां पर अभी डीआरडीओ को या फिर ब्रह्मोस जैसे रक्षा उत्पादन से जुड़े अन्य कार्यक्रमों के लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता पड़ेगी, उत्तर प्रदेश सरकार पहले की तरह इसमें भरपूर मदद करेगी। इस अवसर पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद ब्रजलाल, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, पीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

डिफेंस कंपनियों से जुड़ रहे स्थानीय युवा

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो हमारा लक्ष्य था कि 6 डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में हमें 50,000 करोड रुपए के निवेश कराने हैं, 100000 युवाओं को रोजगार भी देना है। अब तक हमारे साथ डिफेंस एक्सपो के साथ ही देश और दुनिया के अलग-अलग भागों से 57 एमओयू हो चुके हैं जिनके माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ के निवेश सिर्फ डिफेंस सेक्टर से ही होने जा रहे हैं। लगभग 60 हजार नौजवानों को हम लोग नौकरी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। ब्रह्मोस, पीटीसी, डीआरडीओ, एलएंडटी और सभी इकाइयों को धन्यवाद दूंगा, जो स्थानीय स्तर के नौजवानों को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले जिस राज्य में नौकरी नहीं होती थी, पलायन होता था, आज वहां पर निवेश भी हो रहा है आज वहां पर एमएसएमई यूनिट एक एंकर यूनिट के रूप में बेस तैयार कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा ब्रह्मोस का पराक्रम

मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल-बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है।

अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। वीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री मोदी जी ने केंद्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी, लेकिन यह कहां बनेगी इसकी घोषणा प्रधानमंत्री जी ने इसी लखनऊ में की थी। उत्तर प्रदेश में इसके लिए 6 नोड तय किए गए। इनमें राजधानी लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए चुना गया। 2019 में केंद्र में जब पुन: सरकार बनी तब रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह जी ने 2020 में पहली बार लखनऊ में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया। तब उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की प्रोडक्शन यूनिट लगाने की घोषणा की थी।

कई सौ गुना बढ़ा रक्षा उत्पादन और निर्यात

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर डिफेंस कॉरिडोर के जो 6 नोड विकसित हो रहे हैं इन पर हमारा कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले हमने कानपुर में रक्षा सेनाओं के लिए गोला बारुद के उत्पादन केंद्र का शुभारंभ किया था। अब उसके विस्तार के लिए भी भूमि की मांग हो रही है। लखनऊ में भी ब्रह्मोस को जैसे ही 200 एकड़ भूमि दी गई तो पीटीसी भी यहां पर आया है। पीटीसी ने न केवल ब्रह्मोस के लिए बल्कि एयरोस्पेस से जुड़े अनेक कार्यों के लिए एक एंकर यूनिट के रूप में उत्पादन कार्य प्रारंभ किया है। यहां ब्रह्मोस से जुड़ी हुई लगभग 7 एंकर यूनिट लग रही हैं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में भारत का जो रक्षा उत्पादन था आज हम उससे कई सौ गुना ज्यादा उत्पादन और निर्यात कर रहे हैं। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ दुनिया के तमाम मित्र देशों को रक्षा सामग्री निर्यात करके उनकी सुरक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति का भी काम कर रहे हैं।

ललित जायसवाल पांचवीं बार कविनगर रामलीला समिति के अध्यक्ष हुए निर्वाचित, भूपेंद्र चोपड़ा बने पुन: महामंत्री

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। कवि नगर रामलीला मैदान स्थित 'जानकी सभागार' में श्री धार्मिक रामलीला समिति (पंजी०), कविनगर की साधारण सभा की बैठक में कार्यकारिणी समिति के त्रिवार्षिक चुनाव वर्ष 2025-28 हेतु सर्व सम्मति से संपन्न हुए। समिति के सभी दस पदो एवं इक्कीस कार्यकारिणी सदस्यों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी सर्वजीत राम, पी०सी०एस० (से०नि०) चुनाव अधिकारी की देख रेख में संपन्न चुनाव प्रक्रिया के उपरांत चुनाव परिणामों की घोषणा की गई। सभी पदो पर सौहार्द पूर्ण वातावरण में चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। घोषित चुनाव परिणामो के अनुसार पुनः ललित जायसवाल (अध्यक्ष) एवं भूपेंद्र चोपड़ा (महामंत्री) निर्वाचित घोषित किये गये। अन्य पदो पर निर्वाचित पदाधिकारी निम्न प्रकार से रहे, विवेक मित्तल (कोषाध्यक्ष), उपाध्यक्ष पदो पर अजय जैन, गुलशन बजाज, अवनीश गर्ग एवं विपुल शर्मा के साथ तरुण चौटानी (प्रचार मंत्री), पवन गुप्ता (मंत्री) और राजेश गर्ग (सह-मंत्री)।

कार्यकारिणी सदस्यों हेतु सुनील निगम, आलोक गर्ग, संजय मित्तल, नवेंदु सक्सेना, दीपक कुमार, विनय जिंदल, सुशांत चौपड़ा, अजय अग्रवाल, वेदपाल कुशवाहा, मनोज गोयल, ऋषि माकड़, पुनीत बेरी, आनंद गर्ग, मुकेश सिंघल, रमन मिगलानी, सुरेश महाजन, डी० पी० कौशिक, अजय गुप्ता, दिवाकर सिंघल, मयंक जैन और सचिन कुमार निर्वाचित घोषित हुए। इससे पूर्व समिति के संरक्षक गण सर्वश्री बलदेव राज शर्मा, ललित मोहन मित्तल, नेम प्रकाश गोयल, विजय जिंदल, जे० डी० जैन का स्वागत समिति अध्यक्ष ललित जायसवाल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में साधारण सभा के सदस्य उपस्थित हुए। समिति के महामंत्री भूपेंद्र चोपड़ा ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए समिति के कार्यक्रमों, उपलब्धियों एवं योजनायों का उल्लेख किया और सभी सदस्यों, सहयोगियो एवं दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। समिति के अध्यक्ष ललित जायसवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी सदस्यों एवं संरक्षक गण का मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु धन्यवाद दिया एवं सर्व सम्मति से शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। समिति के संरक्षक बलदेव राज शर्मा ने भी बैठक को संबोधित किया। बैठक का प्रारंभ एवं समापन गायत्री मंत्रों के साथ किया गया।

देशभक्ति की ओर एक कदम: बच्चों में राष्ट्र सेवा की भावना का विकास

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान सी-3, पटेल नगर सैकेंड, गाज़ियाबाद में 'संस्कारशाला' के माध्यम से देशभक्ति पर आधारित एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में भारत के प्रति प्रेम और राष्ट्रीय भावना का विकास करना था। कार्यक्रम की शुरूआत 'वन्दे मातरम' के उद्घोष से हुई। प्रथम सत्र में शारीरिक व्यायाम कराया गया, तत्पश्चात वीडियो प्रस्तुति एवं पीपीटी के माध्यम से बच्चों को भारतीय थलसेना, नौसेना और वायुसेना के प्रतीक चिन्ह दिखाकर उनके योगदान और शौर्य से परिचित कराया गया। बच्चों ने भारत माता के वीर सपूतों की गौरव गाथाएं देखीं, स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणादायक प्रसंगों एवं राष्ट्रसेवकों की झलकियों से भी परिचित हुए, जिससे उनके भीतर देशप्रेम की भावना जागृत हुई। एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में बच्चों के देश के प्रति कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को निभाने के विषय पर भी गहन चर्चा हुई। साथ ही, दिव्य गुरु आशुतोष महाराज के शिष्यों के जीवनानुभवों को भी साझा किया गया, जिससे ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान साधना की भूमिका को समाज कल्याण एवं राष्ट्रहित की दृष्टि से समझाया गया। बच्चों द्वारा अनेक प्रस्तुतियाँ भी की गईं-जैसे ऑपरेशन सिंदूर पर स्वलिखित कविता, भारत माता पर कविता, वीर जवानों पर लेखन, देशभक्ति नृत्य प्रदर्शन आदि। अंत में सभी ने देश के प्रति निष्ठा और कर्तव्य पालन की सामूहिक शपथ ली तथा सामूहिक ध्यान में भाग लिया। यह कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक था, बल्कि बच्चों के भीतर एक सच्चे, जागरूक और संवेदनशील देशभक्त के बीज बोने का एक सार्थक प्रयास भी सिद्ध हुआ।

तिरंगा शौर्य यात्रा: राष्ट्रभक्ति, एकता और गौरव का अद्वितीय संगम सामूहिक भारत माता की महाआरती के साथ यह अभूतपूर्व आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। गाजियाबाद की पावन भूमि पर भारत माता सांस्कृतिक संस्थान के संयोजन में और ऑपरेशन सिंदूर के तत्वावधान में एक ऐतिहासिक एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तिरंगा शौर्य यात्रा का भव्य आयोजन हुआ, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना के सम्मान में समर्पित था। यात्रा का शुभारंभ ठाकुरद्वारा मंदिर में स्थित चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ उत्तर प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने किया। अपने जोशीले संबोधन में उन्होंने कहा कि 10 मई 1857 का दिन हमारे स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारत माता की आजादी के लिए पहले जनांदोलन की चिंगारी है। यह दिन बलिदान, शौर्य और आत्मगौरव का प्रतीक है। धर्मपाल सिंह जी के शब्दों में, यह तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देशभक्ति की भावना को पुनः जागृत करने का प्रेरणास्त्रोत है। आज जब देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर है, तब यह तिरंगा यात्रा उस ऊर्जा और बलिदान की स्मृति को पुनर्जीवित करती है, जिसने हमें आजाद भारत का स्वप्न देखने का साहस दिया। मोदी जी के नेतृत्व ने न केवल राष्ट्र को वैश्विक मंच पर गौरव दिलाया है, बल्कि देश की सामूहिक चेतना को एक नई दिशा दी है। देश की सेवा में समर्पित यह अभियान, न केवल एक श्रद्धांजलि है हमारे वीर बलिदानियों को, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बनकर राष्ट्र निर्माण की राह को आलोकित करता है। हम सब मिलकर इस युग परिवर्तन के साक्षी बनें और भारत को विश्वगुरु बनाने के इस संकल्प में सहभागी बनें। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 1 किलोमीटर लंबा भव्य तिरंगा यात्रा का मुख्य आकर्षण रहा।

'सौगंध मुझे इस मिट्टी की...' जैसे नारों के साथ सैकड़ों कटआउट यात्रा मार्ग की शोभा बढ़ा रहे थे। कर्नल सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह के पोस्टर युवाओं में जोश भर रहे थे।, भारत माता का विशाल चित्र खुली जीप पर सुसज्जित था। 5 जेसीबी मशीनों द्वारा पुष्प वर्षा ने आयोजन को अभूतपूर्व बनाया। दुर्गा भाभी चौक पर नारीशक्ति ने झांसी की रानी, जीजाबाई जैसे वेश में वीरांगना स्वरूप स्वागत किया।, बाल गोपाल सैनिक वेश में आकर्षण का केंद्र बने। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक मयंक गोयल भाजपा महानगर अध्यक्ष ने कहा कि 1857 की क्रांति से लेकर आज तक तिरंगा हमारी अस्मिता, स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक रहा है। यह तिरंगा यात्रा न केवल शहीदों को श्रद्धांजलि है, बल्कि भारत के सैनिकों के साहस और त्याग को नमन करने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रभक्ति की भावना आज जन-जन में जागृत हो रही है।

इस अवसर पर उन्होंने सभी वीर जवानों को नमन किया और यह संकल्प दोहराय कि राष्ट्रसेवा ही मेरे जीवन का मूल उद्देश्य रहेगा। यह यात्रा भारत को एक नई चेतना, नई ऊर्जा और अटूट एकता का संदेश दे रही है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन राष्ट्रहित में युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देने वाला है। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप बोले सेना और नेतृत्व के प्रति यह जनभावना अद्वितीय है। विधायक संजीव शर्मा के अनुसार यह आयोजन भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का दर्पण है। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि गाजियाबाद की एकता राष्ट्र निर्माण में मिसाल है। महापौर सुनीता दयाल के अनुसार हर वर्ग की सहभागिता ने इस आयोजन को गौरवशाली बना दिया। एमएलसी दिनेश गोयल बोले कि सेना के सम्मान में यह कदम हर भारतवासी की भावना है। पूर्व मंत्री एवं सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि यह यात्रा भारत माता के सम्मान की अमिट कहानी बन गई है। सरदार एसपी सिंह (गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी): 'पंथ, धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए यह एकता प्रेरणास्पद है।' 25 से अधिक स्वागत केंद्रों पर पुष्पवर्षा, ढोल-नगाड़े और नारों से अतुलनीय स्वागत। कार्यक्रम में सहयोगी थे महाराजा अग्रसेन समिति, ऑल इंडिया मुस्लिम संघ, महाराणा प्रताप सेवा समिति, डॉ. अंबेडकर समिति, किसान एकता मंच, नारी शक्ति मंच, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, उद्योग व्यापार मंडल, शिक्षा समिति आदि संस्थाओं ने स्वागत कर 'अनेकता में एकता' का संदेश दिया।